भारत सरकार

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 105

(दिनांक 21.06.2019 को उत्तर देने के लिए)

प्रसारण नियामक प्राधिकरण

105. श्री एन.के. प्रेमचन्द्रनः

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या केन्द्र सरकार का आधुनिक समाज की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रसारण नियामक प्राधिकरण स्थापित करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का निजी चैनलों और रेडियो के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए दूरदर्शन और आकाशवाणी के कामकाज को आधुनिक बनाने और बदलने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) गत पांच वर्षों के दौरान दूरदर्शन और आकाशवाणी में किए गए संरचनात्मक और कार्यात्मक परिवर्तनों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का क्षेत्रीय दूरदर्शन केन्द्रों में नए कार्यक्रम शुरू करने का विचार है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार का क्षेत्रीय केन्द्रों में उत्पादन के विशेषज्ञों को स्टेशन निदेशकों और कार्यक्रमों के प्रमुख के रूप में नियुक्त करने का विचार है, यदि हां, तो इस संबंध में की-गई-कार्रवाई का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा सूचना और प्रसारण मंत्री

(श्री प्रकाश जावड़ेकर)

(क): भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) भारत में प्रसारण सेवाओं के लिए विनियामक प्राधिकरण के रूप में कार्यशील हैं।

(ख) एवं (ग): आधुनिकीकरण एक सतत प्रक्रिया है जिसमें ट्रांसमीटरों, सैटेलाइट प्रसारण उपस्करों का संवर्धन तथा उनका प्रतिस्थापन, स्टूडियो का आधुनिकीकरण एवं डिजिटलीकरण, डीटीएच, हाई डेफिनिशन (एचडी) टीवी, टीवी चैनलों का विस्तार आदि शामिल है तथा इस संबंध में समय-समय पर स्कीमों का निरुपण तथा उनका कार्यान्वयन किया जाता है। आधुनिकीकरण की योजना में व्यापक क्षेत्र को कवर किया गया है जिसमें अन्य के साथ-साथ डिजिटलीकरण, अंतर्राष्ट्रीय मानकों के समतुल्य नई प्रौद्योगिकियों का अंगीकरण, पुराने/अप्रचलित उपस्करों का प्रतिस्थापन तथा उनका स्तरोन्नयन आदि शामिल हैं।

...जारी...

देश के विभिन्न भागों में 38 उच्च शक्ति डीआरएम (डिजिटल रेडियो मॉन्डियेल) ट्रांसमीटरों के अधिष्ठापन के साथ आकाशवाणी (एआईआर) के सेट-अप का आधुनिकीकरण किया गया है। स्टूडियो ट्रांसमीटर लिंक को लगभग सभी स्थानों में स्तरोन्नत करके डिजिटल बना दिया गया है। 98 डिजिटल, बहु-चैनल स्टूडियो कन्सोल्स स्थापित किए गए हैं तथा अभिलेखागारों के डिजिटलीकरण का कार्य पूरा कर लिया गया है।

(घ): चूंकि लोक सेवा प्रसारक दूरदर्शन की प्रोग्रामिंग लोक हित के विभिन्न मुद्दों नामत: स्वास्थ्य, शिक्षा, सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय आदि पर केंद्रित है, इसलिए दूरदर्शन लोगों की पसंद का वरीयताप्राप्त चैनल बनने के लिए प्रभावशाली तथा आकर्षक कार्यक्रमों को मुहैया कराने का प्रयास कर रहा है। दूरदर्शन का यह सतत प्रयास है कि वह अपनी अवसंरचना का आधुनिकीकरण करे तथा कार्यक्रमों की गुणवत्ता में सुधार लाए। दूरदर्शन ने अपने नेटवर्क पर विभिन्न शैलियों तथा फॉर्मेटों जैसे यात्रा वृतांत, वृत्तचित्र, लघु फिल्म, स्वास्थ्य कार्यक्रम, फोन पर सीधी वार्ता आदि जैसे कई कार्यक्रमों की शुरुआत की है।

(ङ): दूरदर्शन द्वारा समय-समय पर आवश्यकतानुसार विशेषज्ञों की सेवाएं ली जाती हैं। केंद्र के सबसे वरिष्ठ अधिकारी को कार्यालय प्रमुख के रूप में तथा सबसे वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी को कार्यक्रम प्रमुख के रूप में पदनामित किया जाता है।

*****